प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

बाढ़ों का जल विज्ञान पर रिफ्रेशर पाठ्यक्रम प्रारम्भ

पंतनगर। ८ जनवरी २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिक महाविद्यालय तथा राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (एन.आई.एच.), रूडकी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित रिफ्रेशर पाठ्यक्रम 'बाढ़ों का जलविज्ञान' का आज राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की में उद्घाटन हुआ। इस पाठ्यक्रम के आयोजन में विश्वविद्यालय ने पश्चिमी क्षेत्रीय हिमालय केन्द्र, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, जम्मू, से भी सहयोग लिया।

पाठ्यक्रम का उद्घाटन डा. दीपक सी. श्रीवास्तव, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, पृथ्वी विज्ञान विभाग, आईआई.टी., रुड़की द्वारा किया गया, जिन्होंने तीन विज्ञान एकेडमी यथा, इंडियन एकेडमी ऑफ सांइसेज (आई.ए.एस.सी), बैंगलोर; इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी (आई.एन.एस.ए.), नई दिल्ली; और द नेशनल एकेडमी ऑफ सांइसेज, इंडिया (एन.ए.एस.आई.), इलाहाबाद के बारे में अपने विचार रखे। पाठ्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. पी.पी. मजूमदार, अध्यक्ष, इंटर डिसीप्लीनरी सेन्टर फॉर वॉटर रिसर्च एवं प्राध्यापक सिविल इंजीनियरिंग, इंडियन इंस्ट्टीयूट ऑफ सांइस (आई.आई.एस.सी.), बैंगलौर, ने इस पाठ्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताते हुए कहा कि यह भारत के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण एवं आवश्यक है। डा. शरद कुमार जैन, निदेशक, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की ने अपने सम्बोधन में "बाढ़ों का जलविज्ञान" के अध्ययन पर विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि मुम्बई, चैन्नई, बैंगलोर तथा उत्तराखंड में पिछ्ले वर्षों में आई बाढ़ के सन्दर्भ में यह अध्ययन अति महत्वपूर्ण है। पाठ्यक्रम समन्वयक एवं प्राध्यापक, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, पंतनगर विश्वविद्यालय, डा. ज्योति प्रसाद, ने भारत के १९ राज्यों से आए ३५ प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं उनका परिचय करवाया। डा. एम.के. गोयल, वैज्ञानिक 'जी' एवं अध्यक्ष पश्चिमी हिमालय क्षेत्रीय केन्द्र, एन.आई.एच., जम्मू, ने अपने केन्द्र की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। डा. रवीन्द्र वी. काले, समन्वयक एवं वैज्ञानिक, एन.आई.एच. ने सबका धन्यवाद किया।

जनवरी ८ से १९, २०१८ तक एन.आई.एच. एवं पंतनगर विश्वविद्यालय में चलने वाले पाठ्यक्रम में एन.आई.एच रुड़की, आई.आई.टी. रुड़की, आई.आई.टी. दिल्ली, आई.आई.टी खडगपुर एवं पंतनगर विश्वविद्यालय से आए विशेषज्ञ अपने-अपने व्याख्यान देंगे। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को हरिद्वार, ऋशिकेष में गंगा एवं बनबासा में शारदा नदी पर चल रहे बाढ़ सुरक्षा एवं प्रबंधन कार्यों का जायजा लेने के लिए क्षेत्रीय भ्रमण पर ले जाया जाएगा।

एन.आई.एच., रूड़की में आयोजित उद्घाटन सत्र में मंचासीन अतिथि एवं वैज्ञानिक।